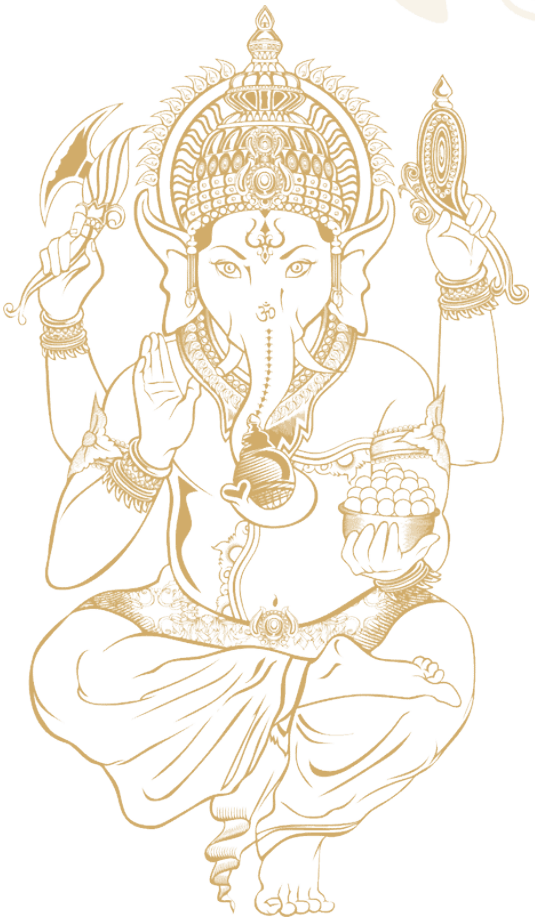

Ashish

12 Sep 2004

07:30 AM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 121392809

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/09/2004**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:30:34 घंटे**
इष्ट	03:15:28 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:03:54 घंटे
वेलान्तर	00:03:46 घंटे
साम्पातिक काल	06:29:35 घंटे
सूर्योदय	06:12:22 घंटे
सूर्यास्त	18:32:56 घंटे
दिनमान	12:20:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:43:46 सिंह
लग्न के अंश	12:52:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शिव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:52:26	331:22:47	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			सिंह	25:43:46	00:58:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			कर्क	25:59:51	12:27:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	सिंह	26:52:43	00:38:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध			सिंह	08:07:53	01:15:22	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु		अ	कन्या	03:15:35	00:12:55	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	11:39:50	01:05:36	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	00:35:06	00:05:32	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	09:03:11	00:07:40	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:03:11	00:07:40	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	10:17:36	00:02:17	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:09:06	00:01:14	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:39:51	00:00:24	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मिथु	12:52:10	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:13

लग्न-चलित

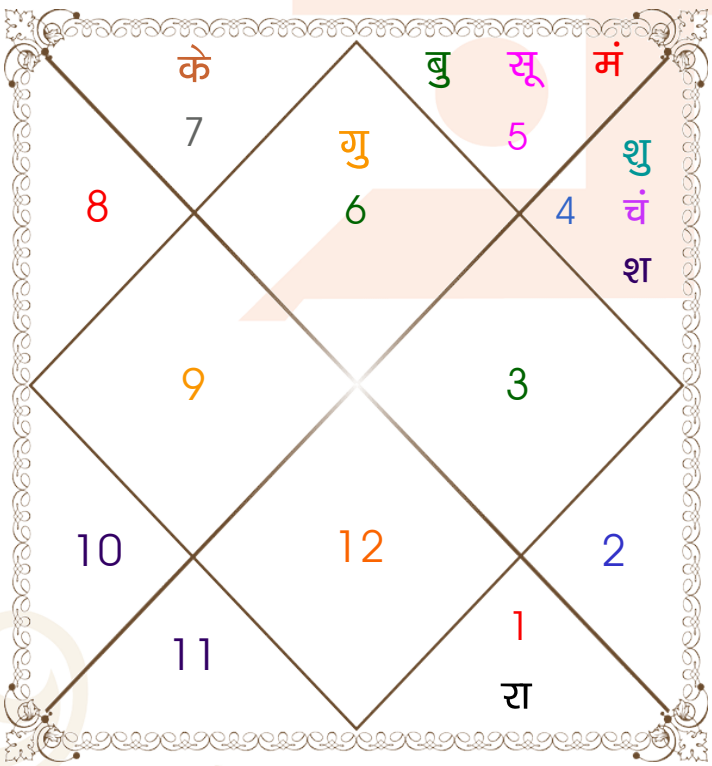

चन्द्र कुंडली

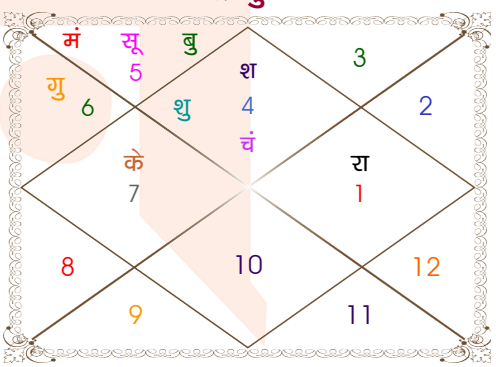

नवमांश कुंडली

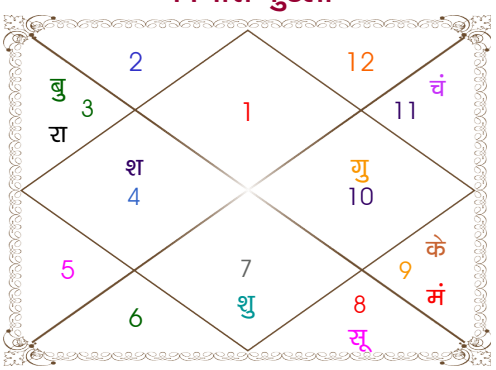

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 1 मास 7 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/09/2004		20/10/2009		19/10/2016		19/10/2036		20/10/2042	
20/10/2009		19/10/2016		19/10/2036		20/10/2042		19/10/2052	
	00/00/0000	केतु	18/03/2010	शुक्र	19/02/2020	सूर्य	06/02/2037	चंद्र	20/08/2043
	00/00/0000	शुक्र	18/05/2011	सूर्य	18/02/2021	चंद्र	08/08/2037	मंगल	20/03/2044
	00/00/0000	सूर्य	23/09/2011	चंद्र	20/10/2022	मंगल	13/12/2037	राहु	19/09/2045
	00/00/0000	चंद्र	23/04/2012	मंगल	20/12/2023	राहु	07/11/2038	गुरु	19/01/2047
	00/00/0000	मंगल	19/09/2012	राहु	20/12/2026	गुरु	26/08/2039	शनि	20/08/2048
	12/09/2004	राहु	08/10/2013	गुरु	20/08/2029	शनि	07/08/2040	बुध	19/01/2050
राहु	04/11/2004	गुरु	13/09/2014	शनि	19/10/2032	बुध	14/06/2041	केतु	20/08/2050
गुरु	10/02/2007	शनि	23/10/2015	बुध	20/08/2035	केतु	20/10/2041	शुक्र	20/04/2052
शनि	20/10/2009	बुध	19/10/2016	केतु	19/10/2036	शुक्र	20/10/2042	सूर्य	19/10/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/10/2052		20/10/2059		20/10/2077		20/10/2093		20/10/2112	
20/10/2059		20/10/2077		20/10/2093		20/10/2112		00/00/0000	
मंगल	18/03/2053	राहु	02/07/2062	गुरु	08/12/2079	शनि	23/10/2096	बुध	19/03/2115
राहु	05/04/2054	गुरु	25/11/2064	शनि	20/06/2082	बुध	03/07/2099	केतु	15/03/2116
गुरु	12/03/2055	शनि	02/10/2067	बुध	25/09/2084	केतु	11/08/2100	शुक्र	14/01/2119
शनि	20/04/2056	बुध	20/04/2070	केतु	01/09/2085	शुक्र	12/10/2103	सूर्य	21/11/2119
बुध	17/04/2057	केतु	09/05/2071	शुक्र	02/05/2088	सूर्य	23/09/2104	चंद्र	21/04/2121
केतु	13/09/2057	शुक्र	09/05/2074	सूर्य	18/02/2089	चंद्र	24/04/2106	मंगल	18/04/2122
शुक्र	13/11/2058	सूर्य	02/04/2075	चंद्र	20/06/2090	मंगल	03/06/2107	राहु	13/09/2124
सूर्य	21/03/2059	चंद्र	01/10/2076	मंगल	27/05/2091	राहु	09/04/2110		00/00/0000
चंद्र	20/10/2059	मंगल	20/10/2077	राहु	20/10/2093	गुरु	20/10/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 0 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।